फ़ार्म रजिस्ट्रेशन ओक़ाफ़

दरख्वास्त रजिस्ट्रेशन ओकाफ जेरे दफा 36/41 वक्फ एक्ट 1995

बखिदमत जनाब, मुख्य कार्यकारी अधिकारी साहब,
राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फस् L.K.1, लाल कोठी योजना, ज्योति नगर, जयपुर-302005(10)

मैं ..... वल्द ..... उम्र .....

साकिन ..... डाकखाना ..... तहसील ..... शहर .....

जिला ..... (राजस्थान) मुन्दर्ज़ा जैल वक्फ की रजिस्ट्री के लिये इस्तिदआ करता हूँ।

1. वक्फ का नाम और उस से मुतअल्लिका जायदाद की अलाहेदा-अलाहेदा तफसील : .....

   .....

   (अ) रकबा गज़ो या बीघों में, चाही, बारानी, पड़त, ग़ैर मुमकिन :- शिमालन-जुनूबन ..... बिसवा..... बीघा .....

   शरक़न-ग़रबन ..... बिसवा..... बीघा .....

   (आ) बाग/मकान/दुकान वगैरह :- .....

2. नाम मौहल्ला ..... गाँव/शहर .....

   मय तहसील व ज़िला जहां वक्फ वाके है .....

3. हुदूद अरबआ या खसरा नं. या म्यूनिसिपल नं. :- .....

   मशरीफ़ ..... मग़रिब ..... शिमाल ..... जुनूब .....

4. किस्म वक्फ सुन्नी या शीआ :- .....

5. नोइयते वक्फ :- .....

6. वाक़िफ का नाम मय ज़रूरी तफसीलात जो हासिल हो सकें :- .....

7. अग़राज़े वक्फ :- .....

8. तफसील असनादे वक्फ (मुसद्दिक़ा नुक़ूल असनाद मुंसलिक की जाऐं) :- .....

   .....

9. मौजूदा मुतवल्ली/मुतवल्लीयान के पते :- .....

10. वक्फ के इन्तेज़ाम के लिये कोई स्कीम बरूऐ वक्फ नामा या डिगरी अदालत है :- .....

11. कुल आमदनी सालाना जायदादे मोकूफा :- .....

    (क) (अ) आराज़ी ज़रई :- .....

    (आ) बाग़ :- .....

    (इ) मकान/मकानात :- .....

    (ई) नोहरा :- .....

    (उ) गैरिज/गोदाम :- .....

    (ऊ) आराज़ी रिहाइश :- .....

    (ख) नज़राना :- .....

    (ग) चन्दा या इमदाद बसूरते ज़रे नकद या किसी और तरह :- .....

    (घ) दीगर ज़राय आमदनी जैसे :- .....

    (अ) गवर्नमेन्ट से कोई रक़म :- .....

    (आ) किसी महकमा या इदारे से कोई रकम :- .....

    (इ) हुकूमत से जरे सालाना (Annuity) की रकम (हुक्म की नक़ल मुसद्देक़ा मुन्सलिक की जाऐ) :- .....

    (ई) बैंक में जमा शुदा रक़म का सूद :- .....

    (उ) मुनाफा सेक्यूरिटी :- .....

    (ऊ) मुतफर्रिक़ आमदनी :- .....

12. (क) रक़म मालगुज़ारी महसूलात व दीगर मुतालबात हुकूमत, म्यूनिसिपलटी या पंचायत या मुकर्रा रकम वक्फ बोर्ड जो जायदाद वक्फ से सालाना अदाकी जाती हो :- .....

    (ख) तखमीना इखराजात सालाना जो जायदाद मोकूफा की आमदनी की वसूलयाबी में सर्फ होता हो :- .....

13. मसारिफ सालाना मुतअल्लिक़ वक्फ :- .....

    तफसील मसारिफ हस्बे शरायत वक्फ नामा :- .....

    तफसील मसारिफ मा सिवाए शराइत वक्फ नामा और उनका जवाज़ :- .....

    (अ) मसारिफ मुलाज़िमान मय वज़ाहत नोइयते खिदमत :- .....

    (आ) तन्ख्वाह या अलाऊन्स मुतवल्ली/मुतवल्लीयान या दीगर अशखास जो वक्फ से मुतअल्लिक हो :- .....

    (इ) इन्फरादी अलाउन्स या वज़ायफ (अलावा मुलाज़िमान) हस्ब शराइत वक्फ नामा या अलावा शराइत वक्फ नामा :- .....

    .....

    (ई) मज़हबी मद्दात के मसारिफ की तफसील :- .....

    (उ) दीनी या दुनयावी तालीम के मसारिफ की तफसील :- .....

    (ऊ) खेराती मद्दात के मसारिफ की तफसील :- .....

    (ए) दीगर मसारिफ :- .....

14. ज़रे नकद या दीगर मुतालबात की तफसील जो किसी एक या इदारे से काबिले वसूल हों :- .....

15. अगर जायदादे वक्फ पर कोई बार बजरिये रहन ज़मानत या किफालत आइद किया गया हो तो उसकी तफसील :- .....

. .....

अगर मौकूफा जायदाद बज़रिये रहन या पट्टा 3 साल से ज्यादा मुद्दत के लिये किराया या पट्टा पर दी गई है तो रकम और मुद्दत की तफसील और कितनी मुद्दत अभी बाकी है :- .....

16. तफसील जायदादहाय मौकूफा जो मुतवल्ली/मुतवल्लीयान के क़ब्जे में नहीं है :- .....

17. जायदादहाय वक्फ पर जो क़ाबिज हैं उनके नाम और पते मय मुद्दत क़ब्जा :- .....

अगर किसी अदालते मजाज़ के फैसले की बिना पर कब्जा हुवा है तो मुकदमे का नम्बर, उनवान, तारीख फैसला, नाम अदालत नीज़ नकल फैसला :- .....

18. वक्फ के इन्तिज़ाम व निगरानी के मुताल्लिक कोई स्कीम हो तो उसकी नकल मुन्सलिक की जाऐं :- .....

19. जायदाद मनकूला मुताल्लिक वक्फ की मुकम्मल फहरिस्त शामिल की जाऐं :- .....

20. अगर जायदाद मोकूफा किराया, लगान या ठेके पर हो तो उसके बारे में दर्ज ज़ैल तफसिलात दी जाऐं :- .....

(क) नाम किरायदार, काश्तकार, ठेकेदार मय मुफस्सल पता :- .....

(अ) मकान :- .....

(आ) दुकान :- .....

(इ) आराज़ी :- .....

(ई) बाग़ वग़ैरह :- .....

(ख) जाय वुकू और उसका पूरा पता :- .....

(ग) मुद्दत किराया या ठेका (अगर जायदाद वक्फ ठेका या रहन पर हो तो कब से यह मुंतकिल की गई ?) :- .....

(घ) मुन्तकल अलेह का नाम और इख्तियार जिस बिना पर मुन्तकल की गई :- .....

(ङ) सालाना रकम, किराया लगान या ठेका :- .....

(च) आया किराया नामा या ठेके का तहरीरी इकरार नामा है अगर ऐसा है तो तहरीरी इकरारनामे कीतारीख, माह व साल :-

.....

(छ) आया कोई रकम किराया काबिले वसूल है ? अगर ऐसा/तो वो मुद्दत जिसका किराया काबिले वसूल हो :- .....

(ज) बकाया की वसूलयाबी के सिलसिले में की गईकार्यवाही की तफसील :- .....

(झ) मोकूफा जायदाद से मुताल्लिक तफसील मुकदमात जो मुतल्लवी/मुतवल्लीयान के खिलाफ या मुतवल्ली/मुतवल्लीयान ने दीगर अशखास के खिलाफ दायर कर रखे हों। ब हवाला नम्बर मुकदम नामाफरीकेन, अदालत, नोईयते मुकदमा, उनवान, मोजूदा नोबते मुकदमा :-

.....

21. आया मोजूदा मुतवल्ली किसी जुर्म फौजदारी, मुतआल्लिक़ खयानत, मूजरिमाना या जुर्म कबीहा या मुरतकिब हुवा है :- .....

22. मोकूफा जायदाद से मुतआल्लिक रकम जाहिर की जाय। अगर वह रकम सिक्यूरिटि, बैंक, डाकखाना में जमा है तो खाता नम्बर, रकम और शख्स/अशखास जिस/जिन के नाम से जमा है उस/उनके नाम और पते अगर बसूरते मजकूरा नहीं है तो वह शख्स/अशखास जिस/जिन के पास जमा है उस/उन की तफसील दी जाय।

दस्तख़त दरख़्वास्त दहन्दा

तारीख ..... पता .....

इबारत तसदीक़ बमूजिब ज़ाब्ता दीवानी नं. 5 सन् 1908 ई.

मैं ..... वल्द .....

कि तफसीलात मुन्दर्जा पैराग्राफ नम्बरान ..... मेरे ज़ाती इल्म की बिना पर बिल्कुल सही और दुरूस्त हैं और तफसीलात

पैराग्राफ नम्बरान ..... बर बिनाऐ मालूमात मोसूला दुरूरत हैं जिनको मैं सही बावर करता हूँ।

दस्तखत .....

मैं ..... वल्द ..... साकिन .....

हलफिया इक़रार करता हूँ कि मेरा मुन्दर्जा बाला बयान बिल्कुल सही और दुरूस्त है और यह कि इसमें कोई अम्र छुपाया नहीं गया है और उसका कोई जुज़ ग़लत नहीं है। खुदा मेरी मदद करे।

दस्तखत .....

Guideline for Waqf property registration:-

Provide all following Document with Registration Form-

- ★ Map and New Photos of proposed Waqf.
- ★ Waqfnama (Gift Deed).
- ★ Ownership Document- Patta, Sale Deed, Jamabandi etc. of proposed Waqf.
- ★ Affidavits by Applicant and other local reliable persons for-
  (A) Waqf Property is in possession and usages of local Muslim/Management committee.
  (B) No suit pending in any court about the ownership of Waqf Property.
- ★ To present all the documents certified.